तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, सोमवार, 21 जुलाई 2025

12 दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण को प्रतिबद्ध है सरकार : डॉ. अरविंद

12 पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विद्या की देवी मां...

खबर संक्षेप

मोबाइल छीनने का आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। कुंडली थाना पुलिस ने युवक से मोबाइल फोन छीनने की वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित मुबीन खान ओखला जामिया नगर दिल्ली हाल पेपर मिल कुंडली थाना का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। कन्नौर हाल में किराएदार गांव कुंडली ने गत 13 जुलाई को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि वह फैक्टरी में काम करता है। गत 12 जुलाई को वह फैक्टरी में काम करके किराए के कमरे पर पैदल जा रहा था। उसी दौरान मोटरसाइकिल पर तीन लड़के आए। एक लड़के ने उसे पीछे से पकड़ लिया। जबकि दूसरे ने मोबाइल फोन छीन लिया। वारदात को अंजाम देकर गांव सबौली की तरफ भाग गए। अपने स्तर पर लड़कों की तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया।

देवीनगर के शिव मंदिर में रक्तदान शिविर 22 को

गोहाना। युवा कांवड़ सेवा समिति द्वारा शिवरात्रि के उपलक्ष्य में 22 जुलाई को बरोदा रोड स्थित शहर के देवीनगर में रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर देवीनगर के शिव मंदिर में आयोजित होगा। रक्तदान शिविर की अध्यक्षता राजेश गर्ग करेंगे। संयोजन चौ. देवीलाल चीनी मिल आहुलाना में सहायक क्रय अधिकारी अनिल वर्मा का रहेगा। आयोजक मंडल में संजय गर्ग, सुभाष पांचाल, सुनील वर्मा और गौरव दहिया सहित समिति के अन्य प्रतिनिधियों का विशेष सहयोग रहेगा।

मरीज और उनके परिजनों के साथ कर्मचारियों में बना रहता है डर

नागरिक अस्पताल में वानर राज

सोनीपत। वार्ड गैलरी व प्रसूति विभाग के बार बैठे बंदर।

वार्ड से लेकर प्रसूति विभाग के बाहर बंदरों का रहता है जमावड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल को बंदरों से निजात नहीं मिल पा रही है। अस्पताल में बंदरों के आतंक से हर कोई परेशान है। अस्पताल में हर समय बंदरों का झुंड रहता है, जिसकी वजह से यहां आने वाले मरीजों को तो परेशानी उठानी पडती है। इसके अलावा अस्पताल स्टाफ व बीमार लोगों को तो हर समय यह डर लगा रहता है कि कहीं कोई बंदर काट न ले।

समस्या के समाधान को लेकर प्रबंधन की तरफ से जल्द जरूरी कदम उठाने की बात कही जा रही है। वहीं जिले में बंदर, कुत्ते, चूहें, बिल्ली के काटने के मामले में काफी संख्या में बढ़ रहे है। बता दें कि नागरिक अस्पताल में मौजूदा समय में करीब ढाई हजार ओपीडी रजिस्ट्रेशन प्रतिदिन है।

वहीं हर रोज अस्पताल में करीब चार हजार से ज्यादा मरीज व स्टाफ कर्मचारी आते है। अस्पताल परिसर में हाल के दिनों में बंदरों की संख्या ज्यादा देखी जा रही है। बंदर वार्ड की गैलरी से लेकर वार्ड के अंदर तक घुसकर मरीजों के सामान को उठाकर ले जाते है। लेबर वार्ड के आस-पास सबसे ज्यादा बंदरों का ज्यादा जमावड़ा देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार, कई बार बंदर आपस में लड़ते हुए वार्डों के पास तक पहुंच जाते हैं, जिससे वहां मौजूद महिलाएं, नवजात शिशु और स्टाफ सहम जाते हैं।

अस्पताल आने वाले मरीजों और तीमारदारों को डर है कि कहीं कोई बंदर हमला न कर दे या काट न ले। इससे न केवल मानसिक तनाव बढ़ता है, बल्कि संक्रमण फैलने की भी संभावना रहती है। अस्पताल में आने वाले मरीजों के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन से मांग की है कि अस्पताल परिसर में घूम रहे बंदरों को तत्काल प्रभाव से हटाने के लिए नगर निगम की बंदर पकड़ने वाली टीम की मदद ली जाए। मरीजों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए अस्पताल प्रशासन को ठोस कदम उठाने की जरूरत है ताकि कोई अप्रिय घटना न घटे।

जानवरों के शिकार बन रहे बच्चे, बुजुर्ग व महिलाएं

नागरिक अस्पताल में दर्ज आंकड़ों की बात करे तो छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग व महिलाएं जानवरों का शिकार बन रही है। वर्ष 2024 में करीब नौ हजार इंजेक्शन नागरिक अस्पताल में रेबीज के लोगों को लगाए गए है। इस वर्ष की बात करे तो जुलाई माह तक करीब छह हजार घायलों को इंजेक्शन लगाए जा चुके है। जबकि खानपुर व जिला नागरिक अस्पताल गोहाना, महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल खानपुर, गन्नौर सामुदायिक केंद्र, खरखौदा सहित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों व निजी मेडिकल स्टोर व निजी अस्पताल के आंकड़े अलग से है।

सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे

परिसर के अंदर बंदरों का ज्यादा जमावड़ा हो जाता है। वार्ड में मरीजों की सुरक्षा को लेकर खिड़की दरवाजे बंद रखने के निर्देश दिए गए है। साथ ही परिसर में बंदरों को पकड़वाने व वहां से भगाने के लिए संबंधित विभाग को मौखिक तौर से अवगत करवाया जा चुका है। जंगली जानवर है, किस टाइम परिसर से चले जो किस टाइम आ जाते है। मरीजों व कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर जरूरी कदम उठाने का काम किया जा रहा है।
-डा. संदीप लठवाल, मीडिया प्रभारी नागरिक अस्पताल।

महीना	मरीज
जनवरी	946
फरवरी	869
मार्च	944
अप्रैल	749
मई	892
जून	691
जुलाई	053

उक्त आंकड़े वर्ष 2025 के है, जोकि महज नागरिक अस्पताल के है।

सोनीपत। विकास कार्यों का शुभारंभ करते हुए विधायक, मेयर एवं अन्य।

दस हजार लाइटों से रोशन होगा सोनीपत

- दो जोन में बांटकर लगाई जाएगी स्ट्रीट लाइट
- विधायक और मेयर ने 7 करोड़ रुपए की लागत से एलईडी स्ट्रीट लाइट लगाने के काम और अन्य विकाया कार्यों का किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन ने रविवार को लगभग 9 करोड़ रुपए की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया। विधायक निखिल मदान ने बताया कि सोनीपत विधानसभा को दो जोन में बांटकर वार्ड वाइज स्ट्रीट लाइट लगाई जाएंगी। इसके साथ ही लगभग 10 करोड़ की लागत से विधायक निधि और डी प्लान से भी विभिन्न विकास कार्यों को शुरू किया जाएगा। आज इस कार्य का शुभारंभ मेयर राजीव जैन और स्थानीय पार्षद के साथ नारियल तोड़कर किया है। इस कार्य में वार्ड नंबर 1 से 10 तक लाइट लगाने के कार्य का शुभारंभ वार्ड नंबर 1 में छोटा शनि मंदिर के पास नारियल तोड़कर किया। जिसमें निगम पार्षद हरि प्रकाश सैनी और क्षेत्र के सभी गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। इसी तरह लाइन पार क्षेत्र के वार्ड 11 से 20 तक स्ट्रीट लाइट लगाने के कार्य का शुभारंभ वार्ड 15 में जैन स्थानक के सामने इंद्रलोक वाली गली में नारियल तोड़कर किया गया जिसमें निगम पार्षद अतुल जैन, निगम पार्षद बिजेंद्र मलिक, निगम पार्षद नीतू दहिया, पार्षद मोनिका नागर, मंडल अध्यक्ष नीरज कुमार सोनी आदि लोग मौजूद रहे।

मेयर राजीव जैन ने बताया कि शहर के सौंदर्यीकरण को आगे बढ़ाते हुए वार्ड 19 में सेक्टर 23 बाईपास के पास साइकिल ट्रैक विकसित करने और ग्रीन बेल्ट में वॉलीबॉल और बास्केटबॉल ग्राउंड बनाने के कार्य का शुभारंभ नारियल तोड़कर किया गया है। अब सेक्टर वासियों को पार्क की कमी नहीं खलेगी। इस मौके पर डिप्टी मेयर मनजीत गहलावत, पार्षद बिजेंद्र मलिक और अन्य नागरिक मौजूद रहे।

बार-बार फेल हो रही 33 केवी लाइन

- पश्चिमी क्षेत्र की बिजली सप्लाई रही बाधित, पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शहर के पश्चिमी क्षेत्र में रह रहे लोगों को बीते शनिवार और रविवार को बिजली संकट का सामना करना पड़ा। 33 केवी सूरज स्टील मेन लाइन में बार-बार आ रही तकनीकी खराबी के चलते बिजली आपूर्ति लगातार बाधित रही, जिससे आमजन को भारी परेशानी उठानी पड़ी। खासतौर पर गुड़मंडी, आर्य नगर, राम नगर, विशाल नगर, प्रभु नगर, मिशन कॉलोनी सहित आसपास की कॉलोनियों में बिजली गुल रहने से लोगों को गर्मी और पेयजल की समस्या झेलनी पड़ी।

जानकारी के अनुसार, शनिवार देर रात करीब 11 बजे 33 केवी लाइन में ब्रेकडाउन हुआ, जिसे ठीक करने में रात 3 बजे तक का समय लग गया। लोगों को आधी रात तक अंधेरे में रहना पड़ा। इसके बाद रविवार शाम 5 बजे फिर से बिजली आपूर्ति फेल हो गई, जो लगभग दो घंटे बाद बहाल हो पाई। रात करीब 8:30 बजे एक बार फिर बिजली गुल हो गई, हालांकि कुछ ही देर बाद सप्लाई दोबारा चालू कर दी गई। बिजली आपूर्ति में बार-बार आ रही रुकावटों का असर पानी की आपूर्ति पर भी पड़ा। ट्यूबवेल और पंपिंग स्टेशन बाधित रहने से कई क्षेत्रों में पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली की यह समस्या कोई नई नहीं है। आए दिन घंटों बिजली गुल रहती है। अधिकारियों को कई बार शिकायतें दी गई हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। गर्मी के मौसम में बार-बार की यह समस्या जनता की सहनशीलता की परीक्षा ले रही है।

लोगों ने मांग की है कि बिजली निगम क्षेत्र में फाल्ट की समय रहते पहचान कर स्थायी समाधान की दिशा में कदम उठाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

दोपहिया वाहन चोरी करने के दो आरोपित काबू, अदालत में पेश

सोनीपत। सिविल लाइन थाना सोनीपत पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने की वारदात में शामिल दो आरोपितो को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित आशीष व प्रवेश निवासी बैंयापुर का है। पुलिस ने आरोपितो को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। एक व्यक्ति ने गत 17 जुलाई को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि उसने अपने दोपहिया वाहन को बस स्टैंड की पार्किंग में खड़ा कर दिया। उसके बाद वह अपनी ड्यूटी पर दिल्ली चला गया। देर शाम को वापस आया तो उसकी स्कूटी गायब मिली। अपने स्तर पर स्कूटी की तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया था। जांच अधिकारी सिपाही मंदीप की टीम ने वारदात में शामिल दो आरोपितो को गिरफ्तार किया है।

देवीलाल चौक पर टूटा नाले का स्लैब बना था मुसीबत

गन्नौर। देवीलाल चौक पर नए सिरे से बनाया गया स्लैब।

गन्नौर। शहर के सबसे व्यस्त देवीलाल चौक पर रेलवे रोड किनारे बने नाले का स्लैब लंबे समय से टूटा पड़ा था, जिससे रोजाना हजारों वाहन चालकों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। टूटी स्लैब के कारण आए दिन जाम की स्थिति बन रही थी। कई वाहन चालक इस गड्ढे में फंसकर हादसों का शिकार होते-होते बचे। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से कई बार शिकायतें कीं, लेकिन समाधान में करीब दो महीने का समय लग गया। अब जाकर नगरपालिका ने क्षतिग्रस्त स्लैब को पूरी तरह से हटाकर नए सिरे से निर्माण कार्य करवाया है। इससे वाहन चालकों और राहगीरों को बड़ी राहत मिली है। नगरपालिका के अनुसार, स्लैब को मजबूत बनाने के लिए इस बार बेहतर सामग्री का उपयोग किया गया है ताकि भविष्य में दोबारा ऐसी स्थिति न बने। स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य पूरा होने पर राहत की सांस ली, लेकिन साथ ही पालिका से शहर के अन्य क्षतिग्रस्त नालों की भी जल्द मरम्मत की मांग की है।

नाइट डोमिनेशन : 2516 वाहनों की जांच 219 के चालान, 18 आरोपित गिरफ्तार

- जिला पुलिस ने चलाया विशेष अभियान, हेरोइन, अवैध हथियार व चोरी की बाइक भी बरामद
- सात वाहन जब्त भी किए, 90 प्रतिशत पुलिस फोर्स थी सड़कों पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिला पुलिस ने नाइट डोमिनेशन अभियान चलाकर जिले में अपराधियों की धरपकड़ और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नकेल कसने के उद्देश्य से सोनीपत पुलिस ने बीती रात एक बड़ा अभियान चलाया। 19 जुलाई की रात 11 बजे से 20 जुलाई की सुबह 4 बजे तक चले इस नाईट डोमिनेशन अभियान में 90 प्रतिशत पुलिस बल ने भाग लिया। पुलिस ने सघन चेकिंग और कार्रवाई कर 18 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनमें उद्घोषित अपराधी, बेल जम्पर, मादक पदार्थ तस्कर और वाहन चोर शामिल हैं। इस दौरान विभिन्न अपराधों में संलिप्त 18 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उनसे हेरोइन, अवैध हथियार और चोरी की बाइक भी बरामद की है। अभियान के दौरान पुलिस ने 2516 वाहनों की जांच कर 219 चालान किए। जबकि सात वाहन जब्त भी किए। जिले भर में दोपहिया, चारपहिया व भारी वाहनों की सघन जांच, साथ ही पीसीआर, राइडर टीमों व पैदल गश्त दलों द्वारा व्यापक निगरानी की गई।

यह हुई कार्रवाई

पुलिस ने अभियान के तहत 18 आरोपित गिरफ्तार किए। जिसमें 2 उद्घोषित अपराधी (5,000 ईनामी), 7 बेल जम्पर/पैरोल जम्पर, 2 आरोपी अवैध हथियारों के साथ, 1 आरोपी मादक पदार्थ तस्करी (09.36 ग्राम हेरोइन बरामद), 3 आरोपी चोरीशुदा मोटरसाइकिल सहित पकड़े गए, मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज, थाना महिला व खानपुर पुलिस ने चोरीशुदा बाइक बरामद की। केजीपी हाईवे पर मुठभेड़ के बाद लूट की वारदातों में शामिल बदमाशों को दबोचा गया।

अपराधिक गतिविधियों को लेकर प्रशासन सख्त

यह एक व्यापक रात्रि अभियान था, जिसके तहत होटल, सड़कें, सार्वजनिक स्थान और धर्मशालाओं में चेकिंग की गई। खुले में शराब पीने, हुड़दंग मचाने और संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गई।
-नरेंद्र कादयान, पुलिस उपायुक्त (क्राइम), सोनीपत

कांग्रेस से लगाई न्याय की गुहार

बड़ौली में वाल्मीकि समाज की जमीन पर अवैध कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। कांग्रेस प्रवक्ता को शिकायत देते हुए बड़ौली के ग्रामीण।

बड़ौली गांव के वाल्मीकि समाज के लोगों ने आरोप लगाया है कि उनके पूर्वजों की 70 वर्ष पुरानी जमीन पर दबंगों ने अवैध कब्जा कर लिया है। इस संबंध में समाज के प्रतिनिधियों ने हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एडवोकेट राकेश सौदा से मुलाकात कर कांग्रेस पार्टी से न्याय दिलाने की मांग की।

समाज के सदस्य कृष्ण वाल्मीकि ने बताया कि यह जमीन वर्षों से उनके कब्जे में रही है और इसी पर वाल्मीकि चौपाल की नींव भी भरी गई थी। 1992 में बने शपथ पत्र में भी उक्त जमीन का उल्लेख दिशाओं के रूप में किया गया था। लेकिन अब दबंगों ने इस जमीन पर स्टे ऑर्डर के दौरान ही कब्जा कर लिया, भगवान वाल्मीकि की स्थापित मूर्ति को हटवा दिया और दीवार खड़ी कर दी। यहां तक कि वाल्मीकि समाज के परिवारों का रखा हुआ सामान भी हटाने नहीं दिया जा रहा। कृष्ण वाल्मीकि ने आरोप लगाया कि पहले मालिकों के बच्चों ने लालच में आकर इस जमीन को किसी अन्य को बेच दिया, जबकि खेवट एक ही है, इसलिए यह स्पष्ट नहीं है कि किस भूमि का सौदा किया गया। प्रशासन और पटवारी से भी अब तक जमीन की तस्दीक नहीं करवाई गई है, जबकि एक रजिस्ट्री समाज के ही एक परिवार के नाम है।

परिवारों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे गांव छोड़ने को मजबूर होंगे। इस पर पार्टी प्रवक्ता राकेश सौदा ने कहा कि पार्टी कानूनी और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर कार्रवाई कर परिवारों को न्याय दिलवाएगी। इसके लिए जल्द ही कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल उपायुक्त सोनीपत से मिलकर जांच और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग करेगा। इस अवसर पर बड़ौली गांव के कृष्ण, सतीश, राजकुमार, कृष्ण बिडलान, संदीप, नरेंद्र, राजवन्ती, शारदा, सुनीता और कविता समेत कई समाजजन उपस्थित रहे।

अवैध शराब के साथ आरोपित गिरफ्तार

गन्नौर। क्राइम यूनिट गन्नौर की पुलिस टीम ने अवैध शराब की तस्करी में संलिप्त एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपित कुलविंदर निवासी गांव कुराड़ का रहने वाला है। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। 19 जुलाई को गन्नौर क्राइम यूनिट से उप निरीक्षक सुनील अपनी टीम के साथ जीटी रोड मुरथल फ्लाईओवर के नीचे गश्त पर थे। इस दौरान गुप्त सूचना पर उन्होंने ओशो धारा धाम, मुरथल रोड पर नाकाबंदी की और सफेद स्विफ्ट डिजायर कार को रोककर जांच की। कार से 32 पेटी देसी शराब कुल 1600 पव्वे, फाल्कन संतरा ब्रांड की बरामद हुई। आरोपित शराब का कोई लाइसेंस या परमिट नहीं दिखा सका। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत थाना मुरथल में मामला दर्ज किया है।

पेट्रोल पंप से कार की टंकी फुल करवाकर फरार

- पंप के मैनेजर की शिकायत पर सदर थाना में केस दर्ज किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

क्षेत्र में पेट्रोल पंपों पर गाडिय़ों और बाइकों में तेल भरवाकर बिना भुगतान के भागने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। अब गांव जौली स्थित पेट्रोल पंप से वैन्यु कार की टंकी फुल करा कर बिना भुगतान के भागने का मामला सामने आया। पंप के मैनेजर की शिकायत पर सदर थाना में केस दर्ज किया गया।

शहर में विकास नगर में रहने वाले वैभव सिंगला गांव जौली स्थित हनुमत फिलिंग स्टेशन पर बतौर मैनेजर कार्यरत हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 16 जुलाई को रात लगभग नौ बजे एक सफेद रंग की वैन्यु कार पंप पर आई। कार में दो युवक सवार थे। उन्होंने पंप पर तैनात सेल्समैन गांव कासंडी के संजय से कार में 4,200 रुपये का पेट्रोल भरवाया। इसके बाद सेल्समैन से कहा कि वे पेटीएम से रुपये देंगे। इसके बाद बिना भुगतान किए कार लेकर फरार हो गए।

सेल्समैन ने उनको इस बारे में बताया, जिस पर पुलिस को शिकायत दी। इससे पहले जुलाई के पहले सप्ताह में रोहतक-पानीपत हाईवे स्थित शहर के बाईपास के निकट पंप से स्कार्पियो की टंकी फुल करवाई गई थी। स्कार्पियो में तीन लोग सवार थे जो बिना भुगतान के भाग गए थे। पुलिस इस घटना में संलिप्त तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है।

साहित्य

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

आज अजब इत्तेफाक है कि पिता दिवस है और तीन छुट्टियां एक साथ ...कि भीतर अजीब सी कैफियत है। डिग्री को जी भर के देख रही हूं कि आज बाबा होते तो कितने राजी होते कि मेरी बुलेरी ने सब पढ़ लिया है। उन दिनों तो खैर नहीं पता था कि बुलेरी उनके लिए कितना बड़ा अभिमान थी। हां.. यही नाम दिया था उन्होंने मुझे। बहुत छोटी थी तो बुल्ला कहते थे। बाद में दसवीं पास करते-करते बुल्ला से बुलेरी हो गई। आज सोचती हूं कि क्या बाबा को बाबा बुल्ले शाह की फकीरी का पता था?

कहानी

डॉ. मनुहार शर्मा

बाबा की बुलेरी

जरा अलमारी को करीने से करने क्या बैठी कि यादों के दराज में सेंधमारी ही हो गई। अलमारी के दराज में एक से एक पुरानी, नयी चीजें ...कागज-पत्र, माला, गहने ...एक पूरा कबाड़खाना ही कह लो। किसी चीज में कोई तरतीब नहीं... लेकिन चीजों को देखते हुए एक सुकून सा मिल रहा है। जिंदगी इतनी तेजी से दौड़ी कि हांफना भी भूल गई। सुकून तो दूर की कौड़ी... घर गृहस्थी और नौकरी दोनों के बीच तवाजुन किसी सर्कस की नटनी से तो रत्तीभर भी कम नहीं... बस भागते-भागते खाओ, भागते-भागते सब कुछ... इंश्योरेंस की रसीद या कोई भी कागज ...यहां तक कि पीएच.डी की डिग्री भी... कन्वोकेशन के बाद रात को लौटे थे... जी भरके देखा भी नहीं ....कि दराज में रख दी ।

सुबह उठकर भाग गए अपनी-अपनी नौकरी पर। आज अजब इत्तेफाक है कि पिता दिवस है और तीन छुट्टियां एक साथ ...कि भीतर अजीब सी कैफियत है। डिग्री को जीभर के देख रही हूं कि आज बाबा होते तो कितने राजी होते कि मेरी बुलेरी ने सब पढ़ लिया है। उन दिनों तो खैर नहीं पता था कि बुलेरी उनके लिए कितना बड़ा अभिमान थी। हां.. यही नाम दिया था उन्होंने मुझे। बहुत छोटी थी तो बुल्ला कहते थे। बाद में दसवीं पास करते-करते बुल्ला से बुलेरी हो गई। आज सोचती हूं कि क्या बाबा को बाबा बुल्ले शाह की फकीरी का पता था? वह बहुत ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं थे। सो बुल्ले शाह के बारे में तो क्या ही जानते होंगे ,लेकिन वह उर्दू पढ़ना लिखना जानते थे। ...तो हो सकता है बाबा बुल्ले शाह के बारे में जानते हो और उनकी रूबाइयों और अलमस्त फकीरी से प्रभावित होकर मुझे नाम दिया हो बुलेरी। हालांकि उन दिनों जब उनकी देखा-देखी मुझे स्कूल में मेरी सहेलियां बुलेरी बुलाती तो मैं चिढ़ती थी ...कि नाम खराब कर रही हैं। एक बार तो बाबा फीस भरने आए तो हेड मास्टर के दफ्तर में जाकर बोले जी हमारी बुलेरी की फीस भरनी है। मास्टर जी तुरंत समझ गए लेकिन मैंने मां से उनको खूब डांट पड़वाई ...कि बच्ची का नाम लेकर नहीं बोल सकते ? वे ही... ही ...करके खिसियाते रहे। तब मुझे कहां पता था कि मैं उनकी बुलेरी ही हूं। आज कॉलेज और विश्वविद्यालय के दुनिया भर के कार्यक्रमों, बैनर, पोस्टर और निमंत्रण पत्रों पर बड़ी-बड़ी डिग्रियों के साथ मेरा नाम लिखा रहता है। विभाग अध्यक्ष की नेम प्लेट कमरे के बाहर लगी है , लेकिन बुलेरी कौन कहे? बुलेरी के लिए तो जैसे तरस ही गई हूं। मेरा बाबा के साथ एक अलग ही राब्ता रहा। घर में सबसे छोटी थी शायद इसीलिए ...या नहीं जानती क्यों ....उन्हें इतना भरोसा था मुझ पर ....कि कचेहरी से आते तो गली के नुक्कड़ से आवाज लगाते... बुलेरी ....। मैं स्कूल से आकर खाना खा रही होती और यह भी अजब इत्तेफाक कि आधा खा चुकी होती। बीच में उठती... उन्हें पानी देती ...वे थके होते उनके बगल से कागज पत्रों का थैला लेती... और कभी-कभी कैश भी होता... खूब सारे रुपए लेकर ...उनकी लकड़ी की अलमारी में रखती। उन्हें पानी देती फिर खाने बैठती... लेकिन वे चुप कहां बैठते? बुलेरी ...बुलेरी ...पुकारते रहते। बस जल्दी से खाना निबटाती। उन्हें गाय के दूध की छाछ, पुदीना डालकर पीनी होती... हालांकि मम्मी ने, बड़ी दीदी ने कई बार कोशिश की ... बाद में भाभी ने भी कोशिश की... कि मैं खा रही हूं तो वह उन्हें पानी... छाछ दे दें.... लेकिन उनकी रसाई बैठती ही नहीं। वह नुक्स निकालते ...,पानी ज्यादा ठंडा है ...पुदीना कम है छाछ में ....गिलास साफ नहीं है... और मम्मी को छोह आ जाता ...कहती ...यह तो चली जाएगी साल.. दो साल में ...फिर कौन देगा छाछ ? बहु से ही काम चलेगा ...इसलिए अभी से आदत डाल लो। सुनकर वे भावुक को जाते। तुरंत उनकी आंखें नम और नाक पौंछते रहते। अभी तो मेरी बेटी बहुत पढ़ेगी। जितनी भी क्लासें होती हैं... सब पढ़ेगी ...फिर बाद में भी इससे पूछूंगा कि शादी करवाएगी भी या नहीं। आज पीएच.डी की डिग्री को देख रही हूं तो याद आता है कि यदि वे होते तो आज फिर उनकी आंखें भीगती और नाक पौंछकर ,ऊपर देखकर कहते ....मेरी बुलेरी हमारे शहर में सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की हो गई है। एक दिन वे जाते-जाते बोलकर गए... बुल्ला बेटा! ...गाय की बछिया खुली घूम रही है और कपड़े तार पर सूख रहे हैं ...उतार कर रख देना या फिर बछिया को बांध देना। मैंने सुना अच्छे से लेकिन छुट्टी वाले दिन कोई एक काम थोड़े ही होता है ..जहां भी.. जिस भी कमरे में जाओ वहीं कोई ना कोई काम मेरा इंतजार कर रहा होता। भूल गई और आधे घंटे के बाद जब बाहर निकली तो बछिया उनके कुर्ते की लटकती बाजू को बड़े आराम से चबा रही थी। उस दिन खूब अफसोस हुआ कि बाबा को क्या जवाब दूंगी ? उस दिन खाना भी नहीं खाया गया ठीक से। दो बजे के बाद तो बस छिप ही गई ...कि सांस रोक कर सुनने लगी कि कब आएगी आवाज ....बुलेरीईईईईई.. ...लेकिन गनीमत कि कोई और शहर के दो आदमी उनके साथ थे ...एक मैनेजर थे ...बैंक के और दूसरे कोई स्कूल अध्यापक थे। जब पानी लेकर गई तो मेरी ही चर्चा थी कि मेरी बेटी इस साल बी.ए. कर देगी। इसको अगले साल किसी बड़े कॉलेज में दाखिला करवाऊंगा। जाने कितनी ही बातें हैं कि क्या-क्या याद करूं। उनके मुंह में दांत बहुत कम बचे थे। ज्यादातर दलिया, खिचड़ी या केला, पपीता खाकर पेट भर लेते थे। हम छुट्टी के दिन बाहर धूप में मूंगफली या चने खाते तो उनका मन करता। मैं चने या मूंगफली को अपने मुंह में आधे चबाकर उनके हाथ पर रख देती और वह बड़े मजे से खा लेते।

बी.ए. का रिजल्ट आया तो जैसे उन्होंने पूरे शहर को सिर पर उठा लिया... क्योंकि उनकी गुलेरी बी.ए. पास जो हो गई थी। विश्वविद्यालय में दाखिला करवाने खुद गए। फीस जमा कर दी। हॉस्टल की भी फीस भर दी। उन दिनों हमारे विभाग की अध्यक्ष एक सीनियर प्रोफेसर थी जो रिटायरमेंट के नजदीक थी। उनसे मिले ...हॉस्टल में खाना कैसा होता है? क्लास कहाँ-कहाँ लगती हैं ? तमाम बातों का जायज़ा लिया और चलने के लिए उठे तो दोनों हाथ जोड़कर ..उन सीनियर प्रोफेसर के सामने अवरुद्ध गले से बोले ....हमारी बुलेरी का ध्यान रखना जी...यह कभी बाहर नहीं रही। वह दृश्य आज भी मेरी आंखों में जब तब साकार हो जाता है कि ...एक पिता... बेटी का पिता ...किसी याचक सा... दीन होता है। क्योंकि वह अपनी बेटी से प्रेम करता है। सीनियर प्रोफेसर उनकी सरलता को देखकर स्वयं भी रोने लगी और रोते-रोते कहा ...आज से चालीस साल पहले... मेरे बाबा भी मुझे... ऐसे ही... किसी प्रोफेसर के पास छोड़कर गए थे। तब वे भी इतने ही भावुक और चिंतित थे। आप फिक्र ना करें। यह मेरी भी बेटी है और तब के बाद ...उन मैडम ने मुझे बुलेरी ही कहा।

एम.ए. करते ही मुझे शिक्षा विभाग में नौकरी मिल गई तो वे खूब प्रसन्न हुए। हमारी ही लिस्ट में निखिल को भी जॉइनिंग मिली थी। मैंने इसी साल पत्राचार से एम.फिल. में प्रवेश लिया और साल भर में एम.फिल पूरी की। सुनकर वे खूब खुश हुए और कहा ...बेटा! तू सारी क्लासें पूरी कर दे। कोई क्लास मत छोड़ना। तू हमारे परिवार की सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की है। उधर निखिल की पीएच.डी पूरी हुई लेकिन सालभर बाद मुझे मैटरनिटी लीव लेनी पड़ी और पहली डिलीवरी के बाद मैं आराध्या को लेकर घर गई तो वे काफी भावुक हुए। कचेहरी जाना अब छोड़ दिया था। पेड़ -पौधों की साज- संभाल कर लेते और ज्यादा समय घर पर ही रहते। हॉस्टल में सर्दियों की शुरुआत में ही गाजरपाक का लोहे का पीपा, लेकर पहुंच गए कि मेरी बेटी खाएगी। हालांकि पीपा व गाजरपाक का प्रयोग इतना सफल हुआ था कि बाकी लड़कियां बाद में कई दिनों तक पूछती रही थी कि तेरा पीपा खत्म हो गया या पापा जी फिर कब आएंगे?

मैंने सुना अच्छे से लेकिन छुट्टी वाले दिन कोई एक काम थोड़े ही होता है ..जहां भी.. जिस भी कमरे में जाओ, वहीं कोई ना कोई काम मेरा इंतजार कर रहा होता। भूल गई और आधे घंटे के बाद जब बाहर निकली तो बछिया उनके कुर्ते की लटकती बाजू को बड़े आराम से चबा रही थी। उस दिन खूब अफसोस हुआ कि बाबा को क्या जवाब दूंगी? उस दिन खाना भी नहीं खाया गया ठीक से। दो बजे के बाद तो बस छिप ही गई ...कि सांस रोक कर सुनने लगी कि कब आएगी आवाज ....बुलेरीईईईईई..

उनकी उम्र काफी हो गई थी लेकिन समय पर नहाना-धोना, घूमना-फिरना, डायरी लिखना... अपने ज्यादातर काम अपने आप करना उनका शगल था। एक रात वे खाना खाकर आराम से सोए। रात को बिजली नहीं थी। वे शायद पानी पीने उठे होंगे। वे उठे तो अंधेरे में सामने रखी कुर्सी में उलझ कर गिर पड़े। पैर में फ्रैक्चर हुआ तथा रीढ़ की कोई नस ब्लॉक हो गई। तीन-चार दिन बाद ही पूरा शरीर सुन्न हो गया। वे बस देखते रहते ...ना बोल पाते ...ना हिल डुल पाते... डॉक्टर ने खूब कोशिश की ...कहा ऑपरेशन होगा ठीक हो जाएंगे। मुझे याद है आज भी ...वे ऑपरेशन के लिए दिल्ली जा रहे थे.. तो गाड़ी मेरे कॉलेज की तरफ से ही निकली गई। चपरासी ने बताया तो मैं क्लास में थी... जल्दी से बाहर भागी तो उनकी कार गेट के आगे ही दूसरी तरफ खड़ी थी। वे पिछली सीट पर लेटे थे। खूब कमजोर हो गए थे । बोल नहीं पा रहे थे। आंखों से आंसू बह रहे थे। मैं उनसे लिपटकर स्वयं को रोक नहीं पायी... सारे बांध तोड़कर ...खूब तबीयत से रोयी...फिर अचानक सोचा यह क्या कर रही हूं ? इससे तो उनको तकलीफ ही दे रही हूं। कहा ...बाबा! डॉक्टर से बात हुई है ...ठीक हो जाओगे... चिंता नहीं करनी है। उनका बायां हाथ बार-बार हिल रहा था ...जैसे उठाकर कुछ कहने की कोशिश में हों। भाई और ड्राइवर पानी-वानी लेने गए थे तो मैंने देखा हाथ में एक कागज का पुर्जा दबा है। पुर्जा हाथ से निकाल कर पढ़ा तो लिखा था.... तू जमीन जायदाद और रुपये पैसे में चौथे नंबर की... बराबर की हकदार है ...तेरी मर्जी के बिना तेरा हक कोई नहीं ले सकता... बिना झिझक मांग लेना। सबसे बड़ी क्लास पास करना। पढ़ती रहना। दुखी मत होना। अब शायद ही लौट कर आऊंगा। आखिरी पंक्ति पढ़कर रुका नहीं गया ...उनकी छाती पर गिरकर... खूब रोई। पीएच.डी की डिग्री वाले पॉलिथीन में ही वह पुर्जा भी रखा है... पर मैला हो गया है ...लेकिन अक्षर ज्यों के त्यों हैं। बाद में पता चला था कि उन दिनों बैंक मैनेजर और वकील के पास जाकर अपनी सारी संपत्ति को दोनों भाइयों और हम दोनों बहनों में बांट आए हैं। मैनेजर उनके दोस्त भी थे। मेरे लिए यह पुर्जा उनसे ही लिखवाया था। बाबा आज इस दुनिया में नहीं है। उनकी बुलेरी विश्वविद्यालय में सीनियर प्रोफेसर है। उसका नाम है। शोहरत है। करीब दस दिन बाद पता चला था कि ऑपरेशन सफल नहीं हुआ। वे नहीं रहे। हमारे यहां रिवाज है कि बाप के अंतिम संस्कार में बेटी शरीक नहीं हो सकती। क्यों नहीं हो सकती...? यह मैं नहीं जानती... लेकिन अगले ही पल सोचती हूं कि क्या हमारे यहां बाप की जायदाद में से बेटी को हक बराबर का मिलता है नहीं ?... लेकिन मुझे तो मिला है ...याद करके वह पुर्जा मेरी आंखों के सामने घूम गया। निखिल गाड़ी निकाल रहा है। उदास मन से मैंने तुरंत कहा, निखिल मैं भी चल रही हूं अंतिम दर्शनों के लिए। घर के पीछे ही खेत में उनकी चिता बनाई गई है। हमारा पूरा परिवार..शहर के मौजिज लोग ...उनकी चिता को घेर कर खड़े हैं। वहां महिला कोई नहीं है। मैं और निखिल दोनों धीरे-धीरे ...भारी कदमों से घर के मुख्य द्वार से पिता की चिता की तरफ बढ़ रहे हैं ...मुख्य द्वार से निकलते हुए उसी गैलरी को पार कर रही हूं ...जहां से रात को तीन बजे बाबा ने निखिल के साथ विदा किया था। बाबा फूट-फूट कर रोए थे उस दिन और हमारा कुत्ता झबरू ने मेरा रास्ता रोक लिया था कि नहीं जाने दूंगा। हमारे घर की औरतों ने तो वह गीत भी शुरू कर दिया था... जिसे सुनकर दुनिया का कोई भी बाप बिना रोए रह ही नहीं सकता कि... 'मेरी गुड़िया भुल्ली हो ...बाबुल तेरे आळे म्हं... स्मृति में एक घटना किसी चलचित्र की तरह घूम रही है ...सामने ही बाबा की चिता है। चाचा- ताया ...परिवार के बुजुर्ग विस्मय से देख रहे हैं। मैनेजर अंकल ने सब को रोकते हुए ...मुझे अंक में भर लिया है और सफेद चादर में लिप्त.. चिता के पास ले गए हैं.. उन्होंने धीरे से मुंह से कपड़ा हटा दिया है... बाबा शांत लेटे हैं... जैसे सो रहे हैं। लगता है कि वह अभी कहेंगे बुलेरी... खूब पढ़ना ...सब क्लासें पास कर लेना ...तू हमारे परिवार की सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की है। सोचकर मैंने अपनी पीएचडी की डिग्री को आंखों से लगा लिया है और मन में ही अपने बाबा से आशीर्वाद लिया है..।

कविता

महेन्द्र सिंह बिलोटिया

वीरों का गौरव गान

ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई , आपस में सब भाई भाई
भगतसिंह को फांसी लाई, हुआ आजादी ऐलान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

तुम नमन करो मर्दानों को, उन आजादी के दीवानों को
अमर शहीद बलिदानों को, यहां फिर भेजो भगवान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

करी पर्वत कैसी आड़ तुम्हे, अंग्रेज दिये थे काढ़ तुम्हें
ये भूमि करती लाड तुम्हें, और जयहिंद करे जहान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

जब तक चांद और तारा है, रोशन नाम तुम्हारा है
कहे महेंद्र सिंह प्यारा है, हम सब को हिन्दुस्तान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

कविता

पंकजोम प्रेम

यार पुराना छोड़ दिया

उसने भी रिश्ता दिल से निभाना छोड़ दिया है
सो मैंने भी वो यार पुराना छोड़ दिया है

अब मैं भी राहों में उस से हंस कर मिलता हूं
और उसने भी नजरों को बचाना छोड़ दिया है

अब अपना दुःख किसी आगे जाहिर नहीं करता
अब मैंने अपना तमाशा बनाना छोड़ दिया है

देख के मेरा फूलों का यूं बढ़ता कारोबार
दुश्मनों ने भी हथियार बनाना छोड़ दिया है

क्यूँ रुसवा बैठी है घर पर इक इक पनिहारी
क्यूँ प्यासों ने पनघट पे आना छोड़ दिया है

तुम भी मत किया करो मुझ से यूं घुमा के बातें
मैंने भी तो ये खेल दिखाना छोड़ दिया है

दोहे

नरेश शांडिल्य

अध्यात्म

उतना पाया पार मैं, जितना पाया डूब।
ख़ूब जिया मैं ज़िन्दगी, पिया ज़हर जब ख़ूब।।

जो कहता मैं जानता, वो निकला अनजान।
जो कहता अनजान हूँ, वही सका कुछ जान।।

ख़ुद को रोता देखकर, सखी हँसा मैं ख़ूब।
ख़ुद ही ख़ुद मैं तर गया, ख़ुद ही ख़ुद में डूब।।

ख़ुद से गहरा औ' बड़ा, लगा न और सवाल।
टाले लाख वबाल पर, ख़ुद को सका न टाल।।

ख़ुद में ही जब है ख़ुदा, यहां-वहां क्यों जाय।
अपनी पत्तल छोड़कर, तू जूठन क्यों खाय।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

हास्य-व्यंग्य से हरियाणवी जीवन, संस्कृति और सामाजिक मुद्दों पर दी समाज को नई दिशा देने वाले वरिष्ठ रचनाकार एवं कवि ओम प्रकाश चौहान का आधुनिक युग में साहित्य के सामने चुनौतियों को लेकर मानना है कि पिछले कुछ वर्षों से मानवीय जीवन मूल्यों में बदलाव हुए हैं और गिरावट भी आई है, इसलिए इस बदलते परिवेश में साहित्यिक साधना या सुरुचिपूर्ण जीवनशैली प्रभावित हुई है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

साहित्य संवर्धन में नैतिकता और आध्यात्म भी अहम: ओपी चौहान

साहित्य जगत में लेखक एवं साहित्यकार विभिन्न विधाओं में सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर साहित्य संवर्धन करके समाज को सकारात्मक संदेश देते आ रहे हैं। ऐसे ही हिंदी एवं हरियाणवी भाषा के मूर्धन्य विद्वान एवं प्रबुद्ध साहित्यकार ओम प्रकाश चौहान ने विभिन्न विधाओं में साहित्य सृजन करते हुए समाज में बाल मनुहार से बुजुर्गों तक के मन को छूते हुए हरियाणा के ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय-साहित्यिक-क्षितिज को अपने साहित्यिक सेवा से आलोकित किया है।

गद्य और पद्य दोनों प्रारूपों मे उन्होंने काव्य के विविध रूपों यथा-यात्रा-वृत्तान्त, जीवनी, हास्य-व्यंग्य, पुस्तक-समीक्षा, तथा रिपोर्ताज आदि साहित्यिक विधाओं पर लेखन में एक हास्य कलाकार और बहुमुखी साहित्यिक प्रतिभा के रूप में पहचान बनाई है। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान ओ.पी. चौहान ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कई ऐसे अनुछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें सामाजिक सरोकारों के मुद्दों के साथ नैतिकता और आध्यात्मिकता भी साहित्य संवर्धन में महत्वपूर्ण है, ताकि भारतीय संस्कृति को जीवंत रखा जा सके। हास्य कवि ओम प्रकाश चौहान का जन्म 6 मार्च, 1954 को हिसार जिले के गांव मोठ करनैल में जुगलाल चौहान और मिसरी देवी के घर में हुआ था। आर्थिक दृष्टि से निर्धन होते हुए भी उनका पारिवारिक परिवेश सुसंस्कारी एवं संवेदनशील रहा। उनके माता-पिता धार्मिक प्रवृत्ति के सद्गृहस्थ थे, इसी का ही परिणाम है कि उदात्त मानवीय गुण आए, जो उन्हें साहित्य पढ़ने और रचने की अभिरुचि की ओर अग्रसर करते चले गए। दूसरी तरफ उनके पिता महाकवि सूरदास, संत कबीर दास, संत शिरोमणि रविदास आदि की वाणियां सुनते सुनाते थे, तो इसके प्रभाव के कारण बचपन में ही उन्हें लेखन करने की प्रेरणा मिलने लगी।

राजपूत लखेरा समाज से संबंध रखने वाले ओम प्रकाश चौहान का बचपन भले ही निर्धनता भरे माहौल में गुजरा हो, लेकिन उनके पिता का अपने परिवार के प्रति समर्पण सदैव सुखद रहा है। जुलाना कस्बे में पले-बढ़े-पढ़े और प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय जुलाना मंडी जींद में हुई। उन्होंने दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद प्रभाकर और ओ.टी. की परीक्षा पास की। उसके बाद वह जींद में जुलाना के संस्कृत महाविद्यालय में प्रभाकर की शिक्षा देने लगे। सनातन धर्म उच्च विद्यालय जींद में हिंदी अध्यापक के पद पर करीब 12 वर्ष तक कार्य किया। इसके बाद उन्होंने पारिवारिक परिस्थितियों के कारण सरकारी सेवा में आने का निर्णय लिया और वह नवम्बर 1991 में सरकारी सेवा में आ गये। उन्होंने आरंभ में अनेक हरियाणवी भजन लिखे, जो कीर्तन के रूप में स्थानीय लोगों द्वारा गाए जाने लगे। व्याकरण सम्मत परिमार्जित भाषा के अध्ययन के कारण इन्हें हिन्दी लेखन अधिक रुचिकर लगने लगा और उन्होंने हिन्दी में अपनी प्रथम कहानी 'दूसरा पत्र' लिखी, जिसे पाठकों ने खूब सराहा। बकौल ओपी चौहान, उन्होंने अपने साहित्य सृजन में गद्य और पद्य दोनों प्रारूप को समान स्थान दिया। गद्य विधा में उन्होंने निबंध, लघुकथाएं, कहानियां, यात्रा कृतांत और विनोद वार्त्ताएँ लिखीं, तो वहीं पद्य में कविता, गजल, दोहे, रागनियां और भजन लिखे हैं। साल 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद उनके भीतर अलग तरह की प्रेरणा समा गई थी। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हिन्दी में देशभक्तिपूर्ण रचनाएं लिखना आरम्भ किया। उनकी साहित्यिक साधना में आत्मानंद की अनुभूति, कर्त्तव्यपरायणता का जज्बा, राष्ट्रीय चेतना और पूर्वजों द्वारा धर्मपरायणता की सिद्धि मूल में रही हैं। इसलिए वह निराशा के पलों में भी प्रफुल्लित रहते हुए अपनी कविताओं में रस, छंद, अलंकार, शब्दशक्ति, शब्दरीति, काव्यगुण आदि को सदैव महत्व देते रहे हैं। हरियाणा बाल साहित्य को ओपी चौहान का योगदान विषय पर कुरुक्षेत्र विवि में एमफिल की जा चुकी है।

उनका कहना है कि स्वाध्याय मानव को संस्कृति और संस्कारों से जोड़ता है समुचित दिशा देता है अतः युवाओं को स्वाध्याय अपनाना चाहिए। समाज और संस्कृति को जीवंत रखने के लिए साहित्यकारों व लेखकों को भी इसी आधार पर श्रेष्ठ साहित्य सृजन करना आवश्यक है, जो मानव जीवन का मूल उद्देश्य भी है।

प्रकाशित पुस्तकें

ओपी चौहान अभी तक तीन दर्जन पुस्तकें लिख चुके हैं, जिनमें प्रकाशित 15 पुस्तकों में हिंदी भाषा की कृतियों में कविता संग्रह-प्रथम प्रपात, अमृत प्याला जिन्दगी, प्रबन्ध काव्य-जिन्दगी, विनोद वार्ताएं-श्रीमती ने पत्र लिखा, बाल साहित्य में बाल गीत माला गर्वित, अर्पिता, हर्ष बाल गीत के अलावा नानी की कहानियां और बाल निबन्ध-वाटिका सुर्खियों में हैं। उनके हरियाणवी भाषा की रचनाओं में वीराख्यान प्रबन्ध काव्य-मेवाड़ का शेरः महाराणा प्रताप, भजन संग्रह-आराधना के गीत और गजल संग्रह-ऐसे मन बहलाया जाए पाठकों के बीच हैं।

ओम प्रकाश चौहान

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा साहित्य अभिनंदन योजना 2022 के पं. माधव प्रसाद मिश्र सम्मान से अलंकृत वरिष्ठ साहित्यकार ओम प्रकाश चौहान को अब तक अनेक पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्हें साहित्य सारथी सम्मान, इन्दिरा-स्वरुप स्मृति साहित्य श्री सम्मान, उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान के अलावा शैक्षणिक, समाजिक एवं सांस्कृति क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए अनेक पुरस्कार व सम्मान के अलावा प्रशस्ति पत्र, प्रशंसा पत्र और अन्य प्रमाण पत्रों से भी नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम :ओम प्रकाश चौहान
जन्मतिथि : 6 मार्च, 1954
जन्म स्थान : मोठ करनैल, हिसार (हरियाणा)
शिक्षा : एम.ए.(हिंदी), एम.फिल., प्रभाकर, संगीत भूषण
संप्रति : सेवानित्त शिक्षक, कवि, रचनाकार, साहित्यकार, समाजसेवी

द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल

पुस्तक :द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज़ रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल
लेखक : डॉ. अनुज नरवाल 'रोहतकी'
मूल्य : 1895 रुपये
प्रकाशक : एसएसडीएन पब्लिशर्स, नई दिल्ली

पुस्तक समीक्षा

शशि कांत चौहान

द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज़ रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल" डॉ. अनुज नरवाल 'रोहतकी' द्वारा लिखित एक व्यापक और समृद्ध पुस्तक है, जो पत्रकारिता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान देती है। यह पुस्तक पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों से लेकर डिजिटल युग की नवीनतम तकनीकों तक के विस्तृत पहलुओं को समेटती है।

लगभग दो दशकों के अनुभव के साथ, डॉ. नरवाल ने इस पुस्तक में पत्रकारिता के परंपरागत और आधुनिक दोनों स्वरूपों को संतुलित ढंग से प्रस्तुत किया है। यह पुस्तक न केवल पत्रकारिता के छात्रों, बल्कि शोधकर्ताओं, शिक्षकों और पेशेवर पत्रकारों के लिए भी एक अमूल्य संसाधन है। पुस्तक को दस अध्यायों में विभाजित किया गया है, जो पत्रकारिता के विभिन्न आयामों को व्यवस्थित रूप से कवर करते हैं। प्रत्येक अध्याय में सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग का संतुलन बनाया गया है। पुस्तक की सामग्री में निम्नलिखित प्रमुख विषय शामिल हैं। इस अध्याय में समाचार की अवधारणा, संरचना, और मूल्यों के साथ-साथ प्रिंट, रेडियो, टेलीविजन, और डिजिटल मीडिया के लिए लेखन और संपादन तकनीकों को समझाया गया है। यह पत्रकारिता के नैतिकता और समकालीन मुद्दों पर भी प्रकाश डालता है। समाचार स्रोतों, सूचना संग्रह के उपकरणों, और स्रोतों के विकास की तकनीकों पर विस्तृत चर्चा की गई है। 5 डब्ल्यू और 1एच की संरचना और इनवर्टेड पिरामिड पैटर्न जैसे लेखन ढांचों को समझाया गया है।अपराध, अदालत, शिक्षा, खेल, मौसम, और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने की तकनीकों को रेखांकित किया गया है। साक्षात्कार, प्रेस कॉन्फ्रेंस, और तत्काल कवरेज जैसे विषयों पर गहन जानकारी दी गई है। सत्य, निष्पक्षता, और विविधता जैसे पत्रकारीय मूल्यों के साथ-साथ लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका पर चर्चा की गई है। मीडिया साक्षरता और कन्वर्जेंस जैसे आधुनिक विषयों को शामिल किया गया है। येलो जर्नलिज्म, खोजी पत्रकारिता, और डेटा पत्रकारिता जैसे क्षेत्रों की गहन पड़ताल की गई है। डॉ. नरवाल ने इस पुस्तक के माध्यम से नई पीढ़ी के पत्रकारों को संवेदनशील, सजग, और साहसी बनने के लिए प्रेरित किया है। यह पुस्तक हर उस व्यक्ति के लिए अनिवार्य है, जो पत्रकारिता को समझना और अपनाना चाहता है। लेखक इस पुस्तक के लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। साइकिल पर कांवड़ लेकर निकले नायब सैनी के समर्थक।

साइकिल कांवड़ लाएंगे नायब समर्थक

बहादुरगढ़। सीएम नायब सैनी के समर्थकों ने उनके कार्यकाल और प्रदेश की खुशहाली की कामना के साथ हरिद्वार से बहादुरगढ़ तक की साइकिल कांवड़ यात्रा शुरू की है। पूर्व पार्षद जसबीर सैनी, रोहित प्रधान व जीवन सैनी ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के लंबे कार्यकाल और प्रदेश में अमन, चैन, खुशहाली की कामना से यह साइकिल पर कांवड़ ला रहे हैं। उन्होंने शिवभक्तों के लिए किए सरकारी प्रयासों को भी सराहा।

फोन गुम होने पर पोर्टल पर करवाएं रिपोर्ट दर्ज

झज्जर। साइबर क्राइम और अपराध शाखा की कार्यप्रणाली को जांचने के लिए कि एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया। मॉक ड्रिल के बाद पुलिस आयुक्त डॉक्टर राजश्री सिंह ने साइबर सेल को अपनी कार्य क्षमता को और सशक्त करने के निर्देश देते हुए कहा कि आज का युग टेक्निकल युग है इसलिए हमें साइबर अपराधी से बचने के लिए नए-नए टेक्नालॉजियों का प्रयोग करना होगा।

मिड डे मील वर्कर्स यूनियन का जिला सम्मेलन संपन्न

शिक्षा मंत्री के निवास पर 3 को प्रदर्शन करने का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

मिड डे मील वर्कर्स यूनियन हरियाणा का जिला सम्मेलन शनिवार को सम्पन्न हुआ, जिसमें नई कार्यकारिणी का गठन किया गया और आने वाले दिनों में आंदोलन की रणनीति पर चर्चा हुई। सम्मेलन में सुनीता को जिला प्रधान, मुकेश को उप प्रधान, रेखा को सचिव, शकुंतला को सहसचिव तथा सुमन को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा दर्शना, शीला, कमलेश, कांता, सोनिया और सरोज को कमेटी सदस्य मनोनीत किया गया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए यूनियन के प्रदेश महासचिव जय भगवान ने कहा कि मिड डे मील वर्कर्स के साथ सरकार और प्रशासन लगातार अन्याय कर रहे हैं। महीनों से मानदेय नहीं मिला है, वर्दी का पैसा भी स्कूलों में नहीं पहुंच रहा और मानदेय में लगातार कटौती की जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्कर्स से लगभग 11 महीने काम लिया जाता है, लेकिन वेतन केवल 10 महीने का मिलता है। यह अनुचित है, उन्हें भी शिक्षकों की तरह पूरे 12 महीने का वेतन मिलना चाहिए, जो कम से कम 26,000 रुपये प्रति माह हो। जय भगवान ने बताया कि जो वर्कर्स इस योजना में 25-30 वर्षों से सेवाएं दे रही हैं, उन्हें सेवानिवृत्ति पर एक रुपये तक का लाभ नहीं दिया जाता। ड्यूटी के दौरान हादसों में घायल या मृत होने पर किसी भी प्रकार की आर्थिक सहायता का प्रावधान नहीं है। उन्होंने बीपीएल राशन कार्ड कटौती, बिजली बिलों में बढ़ोतरी और बढ़ती महंगाई के कारण वर्कर्स की स्थिति को अत्यंत दयनीय बताया।

सम्मेलन में यह निर्णय लिया गया कि 3 अगस्त को पानीपत में शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा के निवास स्थान पर राज्य स्तरीय आक्रोश प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें सोनीपत जिले से सैकड़ों मिड डे मील वर्कर्स भाग लेंगी।

सोनीपत। मिड डे मील वर्कर अपनी मांगों को लेकर विरोध जताते हुए। फोटो : हरिभूमि

केबिनेट मंत्री को सौंपा जाएगा ज्ञापन

गोहाना, कथूरा और मुंडालाना की वर्कर्स 24 जुलाई को परशुराम पार्क में एकत्र होकर कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा के निवास पर ज्ञापन देंगी। वहीं 26 जुलाई को सोनीपत, खरखोदा, राई, गन्नौर व मुरथल ब्लॉक की वर्कर्स सिविल अस्पताल में एकत्र होकर विधायक के घर प्रदर्शन करेंगी। सम्मेलन को सीटू के राज्य नेता आनंद शर्मा, जिला प्रधान अनिता, उप प्रधान सोना देवी और अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण की बातें करने वाली सरकार ने पिछले 11 वर्षों से मिड डे मील वर्कर्स के मानदेय में एक रुपये की भी बढ़ोतरी नहीं की है। स्कूलों को बंद कर 'चिराग योजना' के नाम पर शिक्षा व्यवस्था को कमजोर किया जा रहा है, जिसका वर्कर्स डटकर विरोध करेंगी।

गुरुणी सुंदरी सती के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में जांचा स्वास्थ्य

- गुरुदेवों की प्रेरणा से सेक्टर श्री संघ ने स्वास्थ्य जांच शिविर का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। शिविर के दौरान उपस्थित संस्था के पदाधिकारी एवं सदस्यगण।

गुरुणी सुंदरी सती के जन्म शताब्दी वर्ष के पावन अवसर पर एसएस जैन सभा, सेक्टर संघ सेक्टर 15 की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजन में क्षेत्र के श्रद्धालु व नागरिकों ने भाग लेकर स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया।

स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ सुबह प्रवचन कार्यक्रम से हुआ। जिसमें गुरुणीवर्या संयम प्रभा कमल ने उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रेरणादायी संदेश देते हुए कहा कि आज के समय में टेंशन ही सबसे बड़ी बीमारी बन गई है। हमें परिस्थिति कैसी भी हो, उसका सामना धैर्यपूर्वक करना चाहिए। टेंशन करने से कोई समाधान नहीं निकलता, बल्कि मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य और अधिक प्रभावित होता है। संयम, सकारात्मक सोच और नियमित स्वास्थ्य जांच ही जीवन को सुखद बनाते हैं। उनके इस विचारोत्तेजक व जीवनदायिनी प्रवचन ने उपस्थित जनसमुदाय को मानसिक शांति और आत्मबल प्रदान किया।

स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक किया गया। इस शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने अपनी सेवाएं दीं। जिनमें डॉ. जतिन जैन, डॉ. दीपा अग्रवाल, डॉ आक्षी जैन शामिल रहे। इन विशेषज्ञों द्वारा पुरुषों, महिलाओं व वरिष्ठ नागरिकों की विभिन्न प्रकार की बीमारियों की जांच की गई। यूरोलॉजी, स्त्री रोग, रेडियोलॉजी, एवं सामान्य रोगों की जांच व निदान किया गया। रोगियों को आवश्यक परामर्श व उपचार संबंधी सुझाव भी दिए गए। इस अवसर पर महावीर प्रसाद जैन, विकास जैन, सुमित जैन, भूषण जैन, राजेंद्र जैन, प्रेस सचिव वकील जैन, विनोद जैन, सुरेश जैन सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

नायक यशपाल सिंह को उनके 20वें बलिदान दिवस पर किया याद

खरखोदा। शहीद यशपाल सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते विधायक

खरखोदा। रोहणा गांव में रविवार को बलिदानी नायक यशपाल सिंह की 20 वें बलिदान दिवस पर उन्हें याद किया गया। स्मारक स्थल पर तिरंगा फहराते हुए विधायक पवन खरखोदा ने कहा कि आज युवाओं में अपने अंदर संस्कार, संस्कृति व विचारों का समावेश करने की जरूरत है, ताकि देश आगे बढ़ सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी देश को आगे लेकर जा रहे हैं। नायक यशपाल सिंह की बटालियन को वर्ष 2005 में पूर्वोत्तर में उल्फा उग्रवादियों को खदेड़ने के लिए लेखापानी असम भेजा गया था। वहां पर आपरेशन रैयनो में पेट्रोलिंग गश्त के दौरान उनकी उग्रवादियों से मुठभेड़ हो गई, जिसमें यशपाल सिंह ने देश की रक्षा करते हुए 20 जुलाई 2005 को अपने प्राणों का बलिदान दिया था। इस अवसर पर एक रक्तदान शिविर भी लगाया गया। जिसमें 60 रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान किया गया।

गीता विद्या मंदिर में शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन

जीवन में आगे बढ़ने के लिए अनुशासन जरूरी : अश्विनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। कार्यक्रम में अपने विचार साझा करते हुए अभिभावक।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित स्थानीय गीता विद्या मंदिर में शिक्षक-अभिभावक बैठक आयोजित हुई। बैठक का उद्देश्य बच्चों में नैतिक मूल्यों के साथ उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम सुनिश्चित करना था। प्राचार्य अश्विनी कुमार ने कहा कि अभिभावक अपने बच्चों की बातों को अनसुना न करें। अभिभावक बच्चों को समय दें और उनकी हर बात को ध्यान से सुनें। बच्चों की बातों को अनसुना करने से वे स्वयं को असुरक्षित महसूस करते हैं और वे चिड़चिड़ापन का शिकार हो जाते हैं। अगर बच्चों की बात को ध्यान से सुना जाएगा तो वे व्यवहार कुशल बनेंगे। अश्विनी कुमार ने कहा कि अनुशासन, समय का पाबंद और स्वाध्याय जैसे गुण बच्चों को सफलता के शिखर तक लेकर जाते हैं। वे बोले कि बालक विषयवस्तु को ठीक से समझकर नियमित रूप से लिखित अभ्यास करें और पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति करें ताकि अंक वद्धि हो सके। कार्यक्रम का संयोजन आचार्या रचना सिंगला व सविता ने किया।

ऋषि कुल वर्ल्ड एकेडमी में तीज महोत्सव की धूम

- भारतीय संस्कृति से संबंधित अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए अतिथि एवं पदाधिकारीगण। फोटो : हरिभूमि

ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी में रविवार को हरियाली तीज कार्यक्रम का भव्य आयोजन हिंदू विकास परिषद की चारों शाखाओं सोनीपत शाखा, राजमार्ग शाखा, प्रबुद्ध शाखा, माधव शाखा के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। इस अवसर पर भारतीय संस्कृति से संबंधित अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि साहित्यकार डॉ. कमलेश मलिक रही। ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी प्रबंधक नीरज शर्मा के साथ डॉ. रचना गुप्ता, आशीष गुप्ता, हरिओम उपाध्याय, दक्ष गुप्ता, डॉ. नेहा गुप्ता, आशीष अग्रवाल, रजनी गर्ग, सौरभ शर्मा, राजीव गुप्ता, रीमा शर्मा, कमलकांत, अर्चना शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर राष्ट्र गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं ने मेहंदी लगवाई तथा तीज कार्यक्रम से संबंधित प्रदर्शनी का आनंद लिया। मुख्य अतिथि द्वारा सभी अतिथियों को तीज के महत्त्व और संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ अपनी भारतीय संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश भी दिया गया दिया गया। कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ हरियाली तीज पर वातावरण को और अधिक हरा भरा बनाए रखने के भाव से प्रकृति वंदन एवं पौधारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। सभी के लिए विभिन्न रोचक खेलों कभी आयोजन किया। हरियाली तीज पर अपने वातावरण को हरा-भरा रखने हेतु वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी किया गया जिसमें सभी अतिथियों ने पौधारोपण किया।

सैनिक सम्मान एवं रक्तदान शिविर का किया जाएगा आयोजन

सोनीपत। क्राईम कंट्रोल एंड ह्यूमन राईटस आर्गेनाइजेशन ने रविवार को अपने कार्यालय में सैनिक सम्मान एवं रक्तदान शिविर के विषय में पदाधिकारियों की बैठक बुलाई गई। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद कटारिया ने बताया कि कारगिल विजय दिवस पर संगठन द्वारा किए जा रहे सैनिक सम्मान एवं रक्तदान शिविर के विषय पर विचार विमर्श किए गए। जिसमें कारगिल युध्द में साक्षी रहे पूर्व सैनिकों को सम्मानित करने व रक्तदान शिविर का आयोजन कर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित कर शहीदों को याद किया जाएगा। जिसमें कारगिल युध्द में शामिल एवं अन्य पूर्व सैनिक भी हिस्सा लेंगे। रक्तदान शिविर 25 जूलाई 2025 को सुबह 9:30 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा।

अंतरराष्ट्रीय शतरंज दिवस पर शिक्षकों ने दिखाया कौशल

सोनीपत। कार्यक्रम के शुभारंभ मौके पर शतरंज खेलते हुए जिला शिक्षा अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मॉडल टाउन में अंतरराष्ट्रीय शतरंज दिवस के अवसर पर शिक्षकों के लिए शतरंज प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया ने किया और स्वयं भी एक प्रतिभागी के साथ शतरंज खेला। निदेशालय और एससीईआरटी गुरुग्राम के दिशा-निर्देश अनुसार यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों व शिक्षकों के मानसिक विकास, एकाग्रता, तार्किक सोच और निर्णय क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित की गई।

पुरुष वर्ग में सुशील और महिलाओं में सविता प्रथम

पुरुष वर्ग में सुशील कुमार प्रथम, मनोज वर्मा द्वितीय और विनीत कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में सविता ने प्रथम, रितु मलिक ने द्वितीय और सोनिया दहिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जिला शतरंज संघ द्वारा विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। अजय गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शुभकामनाएं दीं। विभाग द्वारा विजेताओं को धनराशि बैंक खातों में भेजी जाएगी तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिए गए। इस आयोजन में मनोज वर्मा, सुशील कुमार, सुनील कुमार, गर्वित वर्मा, रूद्ध और हार्दिक ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

देश के महान क्रांतिकारी थे बटुकेश्वर दत्त : सुभाष वर्मा

- बटुकेश्वर दत्त की 60वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। बटुकेश्वर दत्त के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि देते हुए नागरिक। फोटो : हरिभूमि

सेक्टर-7 स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती पार्क में रविवार को बटुकेश्वर दत्त की 60वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। समारोह में नागरिकों ने बटुकेश्वर दत्त के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। समारोह का मार्गदर्शन आजाद सिंह दांगी ने किया।

मुख्य वक्ता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा की गोहाना शहरी इकाई के अध्यक्ष सुभाष वर्मा ने कहा कि बटुकेश्वर दत्त भारत के एक महान क्रांतिकारी थे। 8 अप्रैल 1929 को दिल्ली स्थित केंद्रीय विधानसभा मे भगत सिंह के साथ उन्होंने बम विस्फोट करके ब्रिटिश शासन की तानाशाही सरकार का विरोध किया। भगत सिंह के साथ उनको गिरफ्तार किया गया और आजीवन कारावास काटने के लिए काला पानी जेल भेज दिया गया। श्रद्धांजलि समारोह की अध्यक्षता योगाचार्य डॉ. सुरेश सैनी की। उन्होंने कहा बटुकेश्वर दत्त ने 1933 और 1937 Ajit ऐतिहासिक भूख हड़ताल की थी। आजादी के बाद 1967 में . अंजलि दत्त से विवाह करके वह पटना में रहने लगे। 1963 में उनको बिहार विधानसभा परिषद का सदस्य बनाने का गौरव प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम जानकीदास कपूर पब्लिक स्कूल में चलाया वृक्षारोपण अभियान

छात्रों ने मां के नाम 450 पौधे लगाकर उर्जा का किया संचार

सोनीपत। जानकीदास कपूर स्कूल में पौधे रोपित करते हुए राजकुमार शामड़ी साथ में अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

स्वच्छ वातावरण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता हेतु जानकीदास कपूर पब्लिक स्कूल में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया जिसमें विद्यार्थियों तथा अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण तथा धरती मां के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना तथा उसके प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझना रहा। अभिभावक-अध्यापक सभा के अवसर पर स्कूल ने पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने और माताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से शामिल हुए समाजसेवी राजकुमार शामड़ी ने अपने परिवार सहित पौधे लगाया और लोगों से स्वच्छ वातावरण के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि ये पहल न केवल पर्यावरण को संरक्षित करेगी, बल्कि हमें प्रकृति से जोड़ने का भी कार्य करेगी।

लगभग सभी छात्रों और अभिभावकों ने अपनी मां के नाम पर लगभग 450 पौधे लगाकर स्कूल में नई ऊर्जा का संचार किया और उन्हें प्यार और देखभाल से पोषित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय में अनेक प्रकार के फलों के पौधे और कई अन्य बारहमासी पौधे लगाए गए। वन विभाग की ओर से भी स्कूल को वन महोत्सव के दौरान रोपण और देखभाल के लिए सौ से ज़्यादा पौधे मिले। विद्यालय प्रधानाचार्या डॉ. गीतांजलि ग्रोवर ने उन सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

पौधरोपण समय की जरूरत : हीरालाल

खरखौदा। नगरपालिका चेयरमैन हीरालाल इंदौरा ने रविवार को थाना कलां मार्ग पर स्थित जागृति स्थल प्रांगण में पौधारोपण किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पौधारोपण समय की जरूरत है, क्योंकि लोगों ने अपनी जरूरतों की पूर्ति के लिए इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों को काट दिया है कि अब इस धरती पर जीव-जंतुओं के जीवन पर ही खतरा मंडराने लगा है। ऐसे में हमें संतुलन को बनाए रखने के लिए पौधरोपण करना पड़ेगा। उन्होंने सभी को पौधरोपण करने व उनके संरक्षण में हिस्सेदारी निभाने को प्रेरित किया। इस अवसर पर जयभगवान, पार्षद जसबीर सिंह, डा. अनिल दहिया, पूर्व पार्षद प्रेम उर्फ लीला, चौधरी बलजीत सिंह व हैप्पी बहल आदि मौजूद रहे।

सोनीपत। एसोसिएशन की बैठक के दौरान उपस्थित पदाधिकारी।

गुलशन बने सेक्टर-14 वेलफेयर एसोसिएशन के नए प्रधान

सोनीपत। सेक्टर-14 स्थित कम्युनिटी सेंटर में सेक्टर-14 वेलफेयर एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा का आयोजन किया गया। इस बैठक में सर्वसम्मति से गुलशन छाबड़ा को आगामी तीन वर्षों के लिए वेलफेयर एसोसिएशन का नया प्रधान चुना गया। गुलशन छाबड़ा के नाम का प्रस्ताव वर्तमान प्रधान सुरेन्द्र मदान द्वारा रखा गया, जिसे सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने एकमत से अनुमोदन प्रदान किया। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने आपसी सौहार्द व एकजुटता का परिचय देते हुए चुनाव प्रक्रिया की बजाय सर्वसम्मति को प्राथमिकता दी। बैठक की शुरुआत में निवर्तमान सचिव विकास परूथी ने आय-व्यय विवरण एवं एसोसिएशन द्वारा किए गए कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। आगामी वर्ष के लिए बजट व बैलेंस शीट को भी सभा में सर्वसम्मति से पारित किया गया। निवर्तमान प्रधान सुरेन्द्र मदान ने अपने धन्यवाद वक्तव्य में सभी सदस्यों को सहयोग व आपसी भाईचारे के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। नवनिर्वाचित प्रधान गुलशन छाबड़ा ने सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया। इस कार्यक्रम का संचालन सह-सचिव मनोहर लाल आहूजा द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन के वरिष्ठ सलाहकार वाईके त्यागी, एडवोकेट राजबीर अंतिल, ओपी इलावादी, एडवोकेट कुलदीप सोलंकी, संजय ठकराल, महेन्द्र भाटिया, विजय दहिया, एमएल आहूजा, सोहन लाल चुग आदि सदस्य उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

सोनीपत। पौधारोपण करते हुए फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं अन्य।

जनहित फाउंडेशन ने चलाया पौधरोपण अभियान

सोनीपत। जनहित अभियान फाउंडेशन द्वारा आज विश्वकर्मा पार्क में पर्यावरण संरक्षण को लेकर पौधारोपण अभियान चलाया गया। अभियान की अगुवाई फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा ने की। उन्होंने जानकारी दी कि इस मुहिम के तहत 10 फलदार और छायादार पौधे लगाए गए। साथ ही उन्होंने आमजन से अपील की कि वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक पौधे लगाएं और जब तक वे पेड़ न बन जाएं, तब तक उनकी उचित देखभाल करें। अध्यक्ष हुड्डा ने कहा कि हर व्यक्ति यदि एक पौधे की जिम्मेदारी ले तो आने वाले वर्षों में हरियाली के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन में बड़ा योगदान दिया जा सकता है।

रायपुर में हवन कर ट्रस्ट की हुई स्थापना

सोनीपत। रायपुर गांव में रविवार को मां भारती जनसेवा चैरिटेबल ट्रस्ट की नींव रखी गई। हवन कर इस कार्य का शुभारंभ किया गया। ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य रक्तदान शिविरों का आयोजन करते हुए सभी सरकारी ब्लड बैंकों में खून कमी न होने देना है। ट्रस्टी सोहन लाल व राष्ट्रपति अवार्डी पूर्व होमगार्ड कमांडेंट हरिराम सरोहा के जन्मदिवस पर घेवर व लड्डू का प्रसाद वितरण किया गया। ट्रस्ट के संस्थापक प्रेम गौतम ने अपने पूरे परिवार के साथ मरणोपरांत शरीर दान करने का संकल्प लिया है। दिव्यांग सुभाषचंद्र समेत 21 लोगों ने समाज कल्याण शिक्षा समिति के प्रधान आनंद कुमार, जगत सिंह, राहुल गुलिया के समक्ष शरीर दान का फार्म भरा।

समारोह में 81 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग वितरित किए

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण को प्रतिबद्ध है सरकार : डॉ. अरविंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश व प्रदेश सरकार निरन्तर दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में काम कर रही है। केंद्र व प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता दिव्यांगजनों की गरिमा, आत्म-सम्मान और सशक्तिकरण को बनाए रखने की है। वे रविवार को पुरानी अनाज मंडी गोहाना स्थित अग्रवाल सत्संग भवन में कृत्रिम अंग वितरण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। भारत विकास परिषद की गोहाना शाखा द्वारा लाला देवीचंद ग्रोवर निशुल्क कृत्रिम अंग निर्माणशाला दिव्यांग पुनर्वास एवं स्वास्थ्य केंद्र हिसार के सहयोग से अग्रवाल सत्संग भवन में निःशुल्क दिव्यांग कृत्रिम अंग वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कैबिनेट मंत्री ने 81 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग वितरित किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दिव्यांगजनों के जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से पिछले एक दशक में परिवर्तनकारी नीतियों और पहलों पर काम किया गया है। दिव्यांगजनों के साहस, उपलब्धियों और योगदान से देश में उनके प्रति आमजन में निरन्तर सम्मान की बढ़ोतरी हुई है। भारत के सांस्कृतिक मूल्यों और संविधान में निहित समावेशिता के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 में विकलांग शब्द के स्थान पर दिव्यांग शब्द के प्रयोग के महत्व पर ज़ोर दिया। यह कदम दिव्यांग व्यक्तियों की क्षमताओं और योगदान को मान्यता देने के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने इसे एक अधिक समावेशी वातावरण बनाने की दिशा में एक ठोस कदम बताया, जहां शारीरिक चुनौतियां राष्ट्र निर्माण की भागीदारी में बाधा न बनें। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. ज्योत्स्ना, एसएमओ, गोहाना डॉ. संजय छिकारा, योगेश गोयल, ज्योति गोयल, सन्दीप बंसल, प्रमोद गुप्ता, बलराम कौशिक, सीमा जैन, अश्वनि जैन, मानसी अरोड़ा व डॉ. भीम सिंह सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गोहाना। समारोह में दिव्यांगजनों से बातचीत करते हुए मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा।

पांच लाख रुपये देने की घोषणा

मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने भारत विकास परिषद के इस कार्य की सराहना की व उनके अभियान को गति देने के उद्देश्य से अपने स्वैच्छिक कोष से 5 लाख रुपये देने की घोषणा की।

गन्नौर। रोटरी क्लब ऑफ गन्नौर रॉयल के पदाधिकारी चिकित्सा शिविर के दौरान।

शिव भक्तों के लिए नि:शुल्क चिकित्सा एवं जलपान शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

रोटरी क्लब ऑफ गन्नौर रॉयल द्वारा समाज सेवा की दिशा में रविवार को निशुल्क चिकित्सा और जलपान शिविर शामली और कैराना के बीच मुख्य मार्ग पर शिव भक्तों की सेवा में लगाया। क्लब के प्रधान प्रवीण मित्तल ने बताया कि क्लब द्वारा शिव भक्तों के लिए फ्री मेडिकल सेवा, ठंडे पेय पदार्थ, फल, नाश्ता व प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की गई। शिविर में थकान, बुखार, चोट आदि की प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराई गई, वहीं दूसरी ओर ठंडा जल, जूस, फल की भी व्यवस्था की। सेवा प्रकल्प के प्रोजेक्ट चेयरमैन अनुज बंसल और दिव्य गुप्ता रहे, जिन्होंने पूरी योजना को सुसंगठित रूप से क्रियान्वित किया। सचिव नितिन बंसल ने बताया कि सेवा कार्यों में जुटना रोटरी क्लब की पहचान है। पूर्व प्रधान अजय त्यागी ने कहा कि रोटरी क्लब रायल समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का निरंतर प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी क्लब इस प्रकार के सेवा प्रकल्पों को जारी रखेगा। इस अवसर पर क्लब के सदस्य अंकित गोयल, अजय त्यागी, पवन कुमार, संदीप वर्मा, अनिल जैन, सागर बत्रा, मुकुल बंसल, जतिन जैन सहित अन्य ने अपनी जिम्मेदारियां बखूबी निभाई।

पर्यावरण संरक्षण : एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाएं

शेर सिंह पब्लिक स्कूल के परिसर में गुरु-शिष्यों ने किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत शहर में सोनीपत मार्ग स्थित शेर सिंह पब्लिक स्कूल में पौधरोपण किया गया।

अभियान के तहत गुरु और शिष्यों ने पौधरोपण करके पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। स्कूल के चेयरमैन महेंद्र सिंह मलिक ने कहा कि वनों की अंधाधुंध कटाई से ग्लोबल वार्मिंग एक विश्वव्यापी समस्या बन चुकी है। अगर ग्लोबल वार्मिंग की समस्या यूं ही बढ़ती रही तो एक दिन पृथ्वी पर जीवन खतरे में पड़ जाएगा। इस समस्या से निजात पाने के लिए पर्यावरण संरक्षण आज समय की जरूरत है। हम जितना प्रेम अपनी जन्म देने वाली मां से करते हैं उतना ही प्रेम अपनी धरती मां से भी करें। इसके लिए एक पेड़ मां के नाम अवश्य रोपित करें और अपनी अपने वाली पीढ़ियों को संरक्षित पर्यावरण देकर जाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य कुलदीप देशवाल ने की। अभियान के तहत स्कूल में 40 औषधीय पौधे लगाए गए। पौधरोपण में पूजा, रितु सांगवान, संगीता अरोड़ा और अशोक दांगी का विशेष योगदान रहा।

गोहाना। शिक्षक व विद्यार्थियों के साथ पौधारोपण करते हुए चेयरमैन महेंद्र सिंह मलिक।

समाज कल्याण संगठन के सदस्यों ने रोपे 59 पौधे

गोहाना। समाज कल्याण संगठन ने रविवार को गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के अपने साप्ताहिक अभियान के तहत विभिन्न किस्मों के 59 पौधे रोपे। पौधरोपण जींद, बरोदा और महम लिंक रोड के साथ फुटपाथ की खाली जगह में किया गया। संगठन की टीम ने इस अभियान में पापड़ी, नीम, जामुन, पिलखन और अर्जुन के पौधे रोपे। संगठन के सदस्यों ने नवरोपित पौधों को ट्री गार्डों में संरक्षित किया गया और पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई करके उनकी देखभाल की। पौधरोपण की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष आनंद कांगड़ा ने की। पौधरोपण में अनिल कुमार, विनोद, बलजीत जांगड़ा, मुकेश, राजेश, डॉ. विनोद, हरीश पांचाल, अभिमन्यु शर्मा, सुनील, पवन व मनोज प्रजापति ने अपना सहयोग दिया।

मोबाइल एक जरूरत है, छात्र इसका दुरुपयोग न करें : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

एमआर पब्लिक स्कूल गोहाना के एमडी राजबीर शर्मा ने कहा कि आज मोबाइल फोन हमारे दैनिक जीवन का एक अहम हिस्सा बन गया है। यह आज की पीढ़ी की जरूरत बन गया है। विद्यार्थी केवल जरूरत के अनुरूप ही इसका उपयोग करें न कि दुरुपयोग। मोबाइल फोन के दुरुपयोग के चलते आज लाखों युवाओं का जीवन बर्बाद हो रहा है। एमडी राजबीर शर्मा ने मोबाइल फोन के इस्तेमाल विषय पर आयोजित कार्यशाला में विद्यार्थियों को जागरूक किया। वे बोले कि आज मोबाइल फोन चाहत से जरूरत में बदल गया है। लेकिन इसका यह मतलब कतई नहीं है कि हम बेवजह भी इससे चिपके रहें। विज्ञान की नई तकनीकें विकसित होती रहती हैं। मोबाइल फोन भी विज्ञान की एक तकनीक का प्रकार है। लेकिन इसके फायदे और नुकसान को हमें खुद देखना और समझना होगा। उन्होंने कहा कि आज अभिभावकों को भी इस तरफ ध्यान देने की जरूरत है कि वे अपने बच्चों को मोबाइल फोन का अधिक इस्तेमाल न करने दें।

■ विद्यार्थी केवल शिक्षा के उपयोग से ही करें मोबाइल फोन का इस्तेमाल

रजत डोडा बने प्रधान, पूरी टीम का स्वागत किया

■ रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत का स्थापना दिवस समारोह हर्षोल्लास से सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत का स्थापना दिवस समारोह (इंस्टॉलेशन सेरेमनी) शनिवार को आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. अमिता महेंद्रू ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष रजत डोडा, सचिव रोटेरियन संजय अरोड़ा और गवर्निंग चेयरमैन राजीव गर्ग सहित उनकी टीम को अध्यक्ष का कॉलर, क्लब चार्टर और घंटा भेंट कर शुभकामनाएं दीं। समारोह में चेयरमैन राजीव गर्ग और इंस्टॉलेशन चेयरमैन योगेश भगत विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष डॉ. गौरव डेंबला और उनकी टीम को वर्ष 2024-25 के उत्कृष्ट कार्यों के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। वर्तमान सचिव संजय अरोड़ा ने क्लब की आगामी सामाजिक योजनाओं और सेवा प्रोजेक्ट्स की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि क्लब स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और सेवा के अन्य क्षेत्रों में नई पहलों को गति देगा।

समारोह में अनील मोहिंद्रू, वनीत, जगदीप सिंह, ऋषि चोपड़ा, सुमित अलख, गौतम सचदेवा, कुलदीप सोलंकी, संजीव सरीन, गौरव, विपिन दुआ, अजय छाबड़ा, प्रमोद भगत, राजीव कठपालिया, त्रिभुवन कौशिक, पंकज सेठ, आशीष, संदीप गिरधर, विजय मेहता, राकेश राय, अंतरिक्ष, ताराचंद, सचिन सहित बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद रहे। महिला सदस्यों में अजरा अरोड़ा, श्वेता, मोनिका, रीमा आदि रहे।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियों के साथ अतिथिगण। फोटो :हरिभूमि

गोहाना। डकोरेटिव लाइटें लगवाने के कार्य का उद्घाटन करते हुए नप चेयरपर्सन रजनी विरमानी। फोटो : हरिभूमि

38 लाख रुपये की लागत से लगेंगी डेकोरेटिव लाइट्स

गोहाना नगर परिषद (नप) द्वारा शहर में महम मार्ग पर विश्वकर्मा चौक से लेकर गुढ़ा चंगी तक डेकोरेटिव लाइटें लगवाई जाएंगी। लाइटें लगवाने पर 38 लाख रुपये खर्च होंगे। लाइटें लगने से न केवल शहर की सुंदरता बढ़ेगी अपितु नागरिकों को रात के अंधेरे में रोशनी की सुविधा भी मिलेगी। नप चेयरपर्सन ने नारियल फोडक़र लाइटें लगाने के कार्य का उद्घाटन किया। चेयरपर्सन रजनी विरमानी ने कहा कि नप की प्राथमिकता शहर का विकास करवाना है। नप द्वारा शहर के लोगों की सुविधा के लिए न केवल दूषित पानी की निकासी के लिए शहर की गलियों में भूमिगत पाइप दबाए गए हैं अपितु कच्ची गलियों को भी पक्का करवाया जा रहा है। नप द्वारा शहर के लोगों की सुविधा के अनुरूप योजना के अनुरूप विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। इस मौके पर नगर पार्षद सोनिया, मनोज कौशिक, जगदीश राय, निपुण सहारावत, विनोद राजौरा, मुकेश देवगन, राजेश कुमार, नन्हा राम, राम सिंह सैनी, राम निवास शर्मा, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्षा रीना शर्मा व सेक्टर 7 एसोसिएशन अध्यक्ष संजय दूहन सहित सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

गोहाना। पुलिस थाने का निरीक्षण करते हुए पुलिस आयुक्त ममता सिंह।

पुलिस आयुक्त ने थाने का किया निरीक्षण

गोहाना। पुलिस आयुक्त सोनीपत ममता सिंह ने रविवार को थाना शहर गोहाना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना की व्यवस्थाओं, जवानों की उपस्थिति, लंबित शिकायतों की स्थिति व कांवड़ यात्रा सुरक्षा प्रबंधों की गहन समीक्षा की। ममता सिहं ने पुलिस जवानों की हाजिरी को चैक किया गया एवं अनुपस्थित कर्मियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने लंबित शिकायतों के त्वरित निपटान हेतु निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने शिकायतकर्ताओं के लिए बैठने व पानी आदि की मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था को सराहा व और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। पुलिस आयुक्त ने कहा कि थाना स्टाफ जनता से मित्रवत व्यवहार रखें और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सजगता बनाए रखें। निरीक्षण के दौरान ममता सिहं ने स्थानीय व्यापारियों से अनौपचारिक बातचीत भी की और उन्हें सुरक्षा व्यवस्था के प्रति आश्वस्त किया। जब्त वाहनों के शीघ्र निपटान के निर्देश पुलिस आयुक्त ने थाना परिसर में खड़े जब्त व लावारिस वाहनों के शीघ्र निपटान के आदेश दिए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

दातौली स्कूल में पहुंचे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल, विधायक देवेन्द्र कादियान

शिक्षा से देश से गरीबी दूर हो सकती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा का किया अनवारण

पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रविवार को विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा का अनवारण स्कूल परिसर में किया गया। जिसमें बतौर मुख्यातिथि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, कैबिनेट मंत्री अरविन्द शर्मा,विधायक देवेन्द्र कादियान ने बतौर अतिथि शिरकत की। इसके अलावा जिलाध्यक्ष अशोक भारद्वाज, जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया ने शिरकत की। स्कूल पहुंचने पर स्कूल के प्रधानाचार्य विवेक शर्मा व स्टाफ ने अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। मंच का संचालन डा. अत्तर सिंह ने किया। स्कूल के छात्रों ने सरस्वती वंदना व सांस्कृतिक कार्यक्रम से अतिथियों का मनमोहन लिया। गांव के सरपंच प्रतिनिधि लोकेश गोस्वामी ने गांव व स्कूल की समस्याओं के समाधान को लेकर मांग पत्र सौंपा। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष अशोक भारद्वाज, निशांत छौक्कर, पूर्व पार्षद अंकित मल्होत्रा, युवा नेता योगेश कौशिक, अनिल शर्मा, जयभगवान एडवोकेट मौजूद रहे। प्राध्यापिका मनीषा मलिक, ज्योति सिंघला, एम पी सिंह, संजय, आईलीन, पूनम खत्री आदि शिक्षकों ने कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली। प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि मां सरस्वती तस्वीर हमेशा स्कूल में स्थापित रहेगी और मां सरस्वती का सभी बच्चों पर आशीर्वाद रहेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन है कि किसी भी व्यक्ति का विकास शिक्षा से हो सकता है। शिक्षा सबसे पहला हक है। शिक्षा के माध्यम से देश से गरीबी दूर हो सकती है और गरीब आदमी का भला भी हो सकता है। इस स्कूल का पीएम श्री स्कूल का दर्जा मिला है। शिक्षा में बहुत सारे सुधार हुए है। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री का विजन है कि सरकारी स्कूल प्राईवेट स्कूलों से अच्छे हो, सरकारी स्कूलों में प्राईवेट स्कूलों से अच्छे शिक्षक है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी राजकीय स्कूलों की सभी मांगों को पूरा कर रहे है। बच्चों को शिक्षक व अभिभावक शिक्षा के साथ संस्कार भी दे, वे बच्चों के पूरी जिंदगी काम आएंगे। कैबिनेट मंत्री अरविन्द शर्मा ने कहा कि पीएम श्री स्कूलों को केन्द्र व प्रदेश सरकार से मदद मिलती है। छात्रों की संख्या को देकर पता लगता कि स्कूल बहुत आगे बढ़ रहा है। बच्चा स्कूल में आने से खुश होना चाहिए। बच्चे की पढ़ने में रूचि होती है तो मानों स्कूल उन्नति कर रहा है। प्रदेश सरकार शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासर है। सभी स्कूलों में शिक्षा के साथ खेलो की व्यवस्था की जा रही है। सभी शिक्षक बच्चों को मेहनत से पढ़ाए। विधायक देवेन्द्र कादियान ने कहा कि ग्राम पंचायत द्वारा गांव की समस्याओं को लेकर स्कूल में ग्रांट देने, छटी से आठवीं कक्षा तक कमरों के निर्माण, शौचालयों निर्माण, सौलर निर्माण करवाने, महात्मा गांधी कालोनी में पीने की पानी की समस्या का समाधान करवाया जाएगा। चुनाव में इस क्षेत्र में सबसे ज्यादा इस गांव के लोगों ने उनका साथ दिया है। सबसे ज्यादा उनकी जिम्मेदारी बनती है। गांव के सरपंच प्रतिनिधि लोकेश गोस्वामी व प्रधानाचार्य विवेक शर्मा ने सभी का आभार जताया।

गन्नौर। मुख्यातिथि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, कैबिनेट मंत्री अरविन्द शर्मा,विधायक देवेन्द्र कादियान मां सरस्वती की प्रतिमा का अनवारण करते हुए।